IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 1, November 2025

Impact Factor: 7.67

महिला महाविद्यालयों एवं सहशिक्षा महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के समायोजन क्षमता एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

बलराम सिंह

शोधार्थी शिक्षा शास्त्र विभाग

श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय,विद्यानगरी, झुंझुनूं, राजस्थान

डॉ. हरिश्चंद्र सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर शिक्षा शास्त्र विभाग

श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय,विद्यानगरी, झुंझुनूं, राजस्थान

ABSTRACT

शुरुवाती दौर में महिला व पुरुषों के लिए अलग- अलग शिक्षा व्यवस्थाकी शुरुवात हुयी। महिलांए स्कूल में पढ़ने जाने लगी किन्तु महिला शिक्षा में बिशेष प्रगति नही हुयी। आजादी के समय महिला साक्षरता दर मात्र 8 प्रतिशत थी। कम साक्षरता दर के कारणो को जाने का प्रयाम किया गया और पाया गया महिला व पुरुषो का एक साथ एक स्कूल मे पढ़ना कम साक्षरता दर के प्रमुख कारणों में से एक था। अतः महिला साक्षरता दर बढ़ाने के लिए के महिलाओ के लिए अलग से विद्यालय खोले गये और परिणाम स्वरुप महिला साक्षरता दर तो बढी किन्तु वर्तमान में प्रत्येक क्षेत्र में बढती प्रतिस्पर्धा ने विद्यालय वातावरण, विद्यार्थियों की भावनात्मक क्षमता, उनके जीवन जीने की शैली एवं उनकी समायोजन क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। आये दिन अखवारो में निकलता रहता है कि शोहदे के छेड़ने के कारण बालिका ने आत्म हत्या कर ली या फिर छेड़खानी की वजह से विद्यालय जाना छोड़ दिया। दूसरी तरफ बढती प्रतिस्पर्धा ने विद्यार्थियों की भावनात्मक क्षमता, उनके जीवन जीने की शैली एवं उनकी सामाजिक समायोजन क्षमता को इतना प्रभावित किया है कि समाज में तलाक, आत्महत्या और एकल परिवार का प्रचलन बढ गया है।

Keywords: महिला महाविद्यालय सहशिक्षा समायोजन शैक्षिक उपलब्धि